भजन

नूर ही नूर भरे हैं वो मेरे धाम धनी
आ गए साथ को लेने वो मेरे धाम धनी

1- आप आये तो मिली अर्शे हकीकत हमको
बात खिलवत की बताते हैं मेरे धाम धनी

2- आप तो करते हो ब्रह्मज्ञान की यूं बरसातें
आप खुद ईलम का सागर हो मेरे धाम धनी

3- आप की मेहरों को कैसे मैं भला बतलाऊँ
लाए निजघर के उजाले वो मेरे धाम धनी